हम जैन कुल में जन्मे, अभिमान करो रे..

हम जैन कुल में जन्मे, अभिमान करो रे,
अभिमान करो रे, गुणगान करो रे,
हम जैन कुल में जन्मे, अभिमान करो रे..

कहते हैं प्रणाम सागर, ध्यान करो रे,
ध्यान करो रे, प्रणाम करो रे,
नवकार जपो रे, जयकार करो रे,
हम जैन कुल में जन्मे, अभिमान करो रे..

गुरुवर हैं बड़े सच्चे, इनका मान करो रे,
सन्मान करो रे, ये ध्यान धरो रे,
सन्मान करो रे, ये ध्यान धरो रे,
हम जैन कुल में जन्मे, अभिमान करो रे..

प्रभु लगते बड़े अच्छे, सब नाम जपो रे,
सतकाम करो रे, ये काम करो रे,
सतकाम करो रे, ये काम करो रे,
हम जैन कुल में जन्मे, अभिमान करो रे..

https://www.bhajanganga.com/bhajan/lyrics/id/2430/title/hum-jain-kul-me-janme--abhiman-karo-re--

अपने Android मोबाइल पर BhajanGanga App डाउनलोड करें और भजनों का आनंद ले |